भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1776** जिसका उत्तर

गुरूवार, **11 फरवरी**, 2021/22 माघ, 1942 (शक) को दिया जाना है

बकिंघम नहर परियोजना

†**1776. श्री श्रीधर कोटागिरी:**

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार काकीनाडा और पुडुचेरी के बीच मालवाहन के प्रयोजन से बकिंघम नहर परियोजना पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या उक्त परियोजना को पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(घ) इस हेतु अब तक आबंटित बजट और जारी की गई धनराशि का वर्षवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): जी नहीं। वर्ष, 2008 में काकीनाडा नहर सहित काकीनाडा- पुडुचेरी नहर (काकीनाडा से राजामुंद्री)-50 कि.मी.), इलूरु नहर (राजामुंद्री से विजयवाडा-139 कि.मी.), कम्मामुर नहर (विजयवाड़ा से पेडागंजम-113 कि.मी.), नार्थ बकिंघम नहर (पेडागंजम से चेन्नई सेन्ट्रल स्टेशन-316 कि.मी) और साउथ बकिंघम नहर (चेन्नई सेन्ट्रल स्टेशन से मराकनम-110 कि.मी.) तथा कालुवेली टैंक (मराकनम से पुडुचेरी- 22 कि.मी.) 750 कि.मी. की लंबाई को राष्ट्रीय जलमार्ग-4 का एक भाग घोषित किया गया था। मार्च, 2010 में एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी की गई और इसके ब्यौरे **अनुबंध-I** पर दिए गए हैं। डीपीआर से यह निष्कर्ष निकाला गया कि बकिंघम नहर में अंतर्देशीय जल परिवहन का विकास व्यवहार्य नहीं है।

इसके साथ, बकिंघम नहर के समानांतर सड़क और रेल नेटवर्क के विकास को देखते हुए, जोकि ईस्ट कोस्ट के आस-पास है, बकिंघम नहर को नौचालन के प्रयोजन से तकनीकी-आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं पाया गया था।

(ग) और (घ): उपर्युक्त (क) और (ख) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

अनुबंध-I

राष्ट्रीय जलमार्ग- 4 के भाग के रूप में बकिंघम नहर की स्थिति

संपूर्ण रा.ज. -4 की गोदावरी और कृष्णा नदियों के साथ काकीनाडा-पुडुचेरी नहर में नौचालन के विकास हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), मार्च 2010 में पूरी की गई थी। डीपीआर के अनुसार, बकिंघम नहर में दो जलखंड शामिल हैं:-

1. नार्थ बकिंघम नहर (पेडागंजम से चेन्नई के सेन्ट्रल स्टेशन)- 316 कि.मी. और
2. साउथ बकिंघम नहर (चेन्नई के सेन्ट्रल स्टेशन से मराकनम) - 110 कि.मी.

बकिंघम नहर के उपर्युक्त दोनों जलखंड ज्वारीय नहरें हैं और मानसून के अलावा, शेष अवधि के दौरान शुष्क बनी रहती हैं। चेन्नई शहर में नार्थ- और साउथ नहरों को जोड़ने वाला 50 कि.मी. का जलखंड पूर्ण रूप से परित्यक्त स्थिति में है तथा तमिलनाडु सरकार ने "मास रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम" (एमआरटीएस) की अनुमति प्रदान की है, जिससे कि नहर के ठीक ऊपर एलिवेटिड रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया जा सके और एमआरटीएस फ्लाइओवर पुलों के कॉलम नहर के तल के भीतर ही हैं तथा कुछ स्थानों में कॉलम की पेडस्टल फाउंडेशन नहर के तल के ऊपर नजर आती है। इसलिए, चेन्नई जलखंड में नौचालन की संभावना नहीं है और डीपीआर में इस खंड को आईडब्लूटी के विकास हेतु लेने की सिफारिश नहीं की गई है। बकिंघम नहर के शेष जलखंडों में कुल 52 पुल हैं उनमें से 28 पुलों का सुधार अथवा पुनर्निर्माण करने की आवश्यकता है, जिससे डिजाइन आकार के अंतर्देशीय जलयान के आवागमन के लिए अपेक्षित क्षैतिज और ऊर्ध्व निकासी प्रदान की जा सके। नहर के सर्वेक्षण से पता चला कि नहर के अनेक स्थानों पर गाद जमी हुई है तथा कुछ हिस्सों में दोनों किनारों के तटबंध सपाट हो गए हैं तथा वहां अवरोध करने वाले बेकार ढांचे हैं और नहर के अनेक हिस्सों में अतिक्रमण हो गया है।

*****